एचआईवी और तपेदिक (टीबी)

- एचआईवी प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है, जिससे संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शरीर की क्षमता कमजोर हो जाती है।
- यह मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध, दूषित सुइयों को साझा करने और बच्चे के जन्म या स्तनपान के दौरान मां से बच्चे में फैलता है।
- प्रशिक्षण द्वारा एचआईवी का शीघ्रता से एवं समय पर पता चलना चिकित्सा हस्तक्षेप और प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।
- एचआईवी/एड्स का कोई इलाज नहीं है, लेकिन एआरटी वायरस को नियंत्रित कर सकता है और संक्रमित लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है।
- रोकथाम के तरीकों में सुरक्षित यौन संबंध बनाना, साफ सुइयों का उपयोग करना और उच्च जोखिम वाले एचआईवी नकारात्मक व्यक्तियों के लिए एंटी-रेट्रो वायरल दवाएं प्रदान करना शामिल है।
- एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों के प्रति कलंक और भेदभाव प्रभावी रोकथाम और देखभाल में महत्वपूर्ण बाधाएँ बने हुए हैं।
- सहायक संबंध, जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य सेवा पहुँच, वैश्विक स्तर पर एचआईवी/एड्स के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण हैं।

- एचआईवी और टीबी अक्सर साथ मौजूद होते हैं क्योंकि एचआईवी के कारण कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्ति में टीबी संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।
- एचआईवी और टीबी मुख्य वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियाँ हैं, विशेष रूप से कम और मध्य आय वाले देशों में।
- टीबी एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है।
- एचआईवी और टीबी दोनों ही प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करते हैं, लेकिन विभिन्न तरीकों से। एचआईवी शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता को कमजोर करता है, जबकि टीबी की बैक्टीरिया फेफड़ों में सूजन और क्षति का कारण बन सकती है।
- टीबी से पीड़ित सभी व्यक्तियों के लिए नियमित एचआईवी परीक्षण अनुशंसित सिफारिश की जाती है क्योंकि यह सह-संक्रमित व्यक्तियों की शीघ्र पहचान करने में मदद करता है, जिससे शीघ्र उपचार और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त होते हैं।
- एचआईवी और टीबी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एकीकृत देखभाल प्रदान करना दोनों स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक है।
- एचआईवी और टीबी के बीच समन्वित प्रयास से उपचार की अनुपालन क्षमता और कुलरूप से रोगी देखभाल में सुधार संभव है।

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया कॉल करें

Tuberculosis Association of India,3, Red Cross Road, New Delhi- 110001
Phone No. 23715217, 23711303, E-mail tbassnindia@yahoo.co.in

टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र (तकनीकी विंग) द्वारा बनाया गया

धूम्रपान और तम्बाकू

- भारत में तम्बाकू का उपयोग एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है, लाखों लोग विभिन्न प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का उपयोग करते हैं।
- तम्बाकू का सेवन कैंसर, श्वसन रोगों और हृदय रोगों सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है।
- भारत में धूम्रपान और धुआं रहित तंबाकू का सेवन (तंबाकू, गुटका, पान मसाला चबाना) आम बात है।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान लोगों को तंबाकू उपयोग के खतरों के बारे में शिक्षा देने और छोड़ने की प्रोत्साहना करने का उद्देश्य रखते हैं।
- व्यक्तियों को तंबाकू का सेवन छोड़ने में मदद करने के लिए धूम्रपान समाप्ति कार्यक्रम और संसाधन उपलब्ध हैं।
- धूम्रपान से तपेदिक विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है और व्यक्ति टीबी संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।
- धूम्रपान करने वालों में टीबी के लक्षण बदतर हो सकते हैं, जिससे उपचार प्रक्रियाएँ अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती हैं और पुनः पतन का खतरा बढ़ जाता है।
- धूम्रपान शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी संक्रमण को नियंत्रित करने की क्षमता और साफ करने की क्षमता में बाधा आती है।
- धूम्रपान टीबी के उपचार के परिणामों में हस्तक्षेप कर सकता है जिससे दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया कम हो जाती है और उपचार विफलता या दवा प्रतिरोध का खतरा बढ़ जाता है।
- विशेष रूप से धूम्रपानकारियों के लिए एक पूर्ण टीबी रोकथाम और उपचार रणनीति की आवश्यकता है।

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया कॉल करें।

Tuberculosis Association of India, 3 Red Cross Road, New Delhi- 110001
Phone No. 23715217, 23711303, E-mail tbassnindia@yahoo.co.in

टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र (तकनीकी विंग) द्वारा बनाया गया

प्रदूषण और टीबी (तपेदिक)

- भारत गंभीर वायु प्रदूषण चुनौतियों का सामना कर रहा है। वायु प्रदूषण में वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक गतिविधियाँ, निर्माण और बायोमास जलाना शामिल हैं।
- भारत में वायु प्रदूषण का उच्च स्तर तपेदिक की संवेदनशीलता को बढ़ाने में योगदान देता है। प्रदूषक श्वसन तंत्र को कमजोर कर सकते हैं और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं।

- वायु प्रदूषण श्वसन रोगों, हृदय समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं।
- प्रदूषण और मौसम की स्थिति के परिणामस्वरूप स्मॉग, दृश्यता कम कर देता है और दैनिक जीवन को प्रभावित करता है।
- अनुपचारित सीवेज औद्योगिक अपशिष्टों और कृषि अपवाह के कारण जल निकाय प्रदूषित होते हैं।
- प्लास्टिक कचरे का अनुचित निपटान पर्यावरण प्रदूषण में योगदान देता है, जिससे भूमि और जल पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है।
- प्रदूषण से निपटने के लिए उचित अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण प्रणालियाँ महत्वपूर्ण हैं।

- वायु प्रदूषक फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और व्यक्तियों को टीबी सहित श्वसन संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील बना सकते हैं।
- क्षय रोग वाले व्यक्तियों को जो उच्च स्तर के प्रदूषण के संपर्क में आते हैं, उन्हें श्वसन प्रणाली के खराब होने के कारण धीमी रिकवरी का सामना करना पड़ सकता है और उनका उपचार का पालन कम हो सकता है।
- उच्च प्रदूषण स्तर वाले शहरी क्षेत्रों में अक्सर भीड़-भाड़ वाली रहने की स्थितियाँ होती हैं, जो क्षय रोग के प्रसार को तेज़ी से बढ़ा सकती हैं।
- प्रदूषण स्तर को कम करने से श्वसन स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है और अप्रत्यक्ष रूप से क्षय रोग के बोझ को कम करने में सहायक हो सकता है।
- संवेदनशील जनसंख्या, जिनमें गरीबी और समाज से अलग हुए समुदाय भी शामिल हैं, प्रदूषण और क्षय रोग दोनों से प्रभावित होते हैं।

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया कॉल करें।

Tuberculosis Association of India, 3 Red Cross Road, New Delhi- 110001
Phone No. 23715217, 23711303, E-mail tbassnindia@yahoo.co.in

2022 TB ASSOCIATION OF INDIA

टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र (तकनीकी विंग) द्वारा बनाया गया

क्षय रोग और मधुमेह (डायबिटीज)

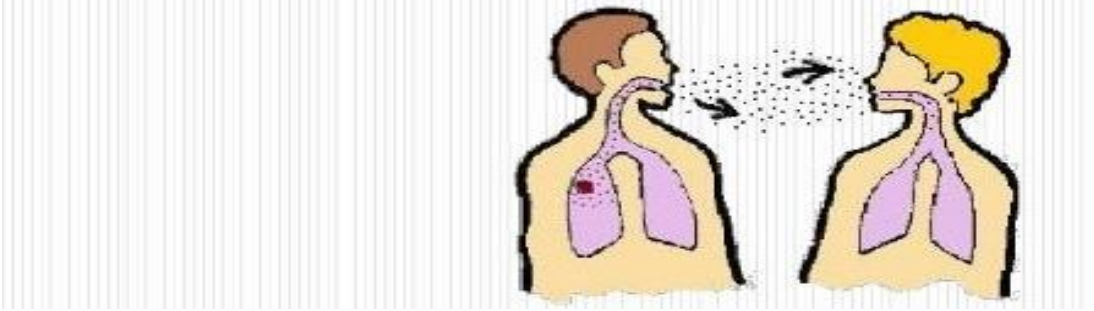

- वैश्विक स्तर पर टीबी के लगभग 10% मामले मधुमेह से जुड़े हैं।

क्षय रोग को रोकें

- मधुमेह से पीड़ित लोगों को गुप्त टीबी से सक्रिय टीबी में बदलने का खतरा अधिक होता है।
- मधुमेह से पीड़ित लोगों में बिना मधुमेह वाले लोगों की तुलना में टीबी रोग विकसित होने का खतरा 2-3 गुना अधिक होता है।
- टीबी और सहवर्ती मधुमेह वाले लोगों में थूक सकारात्मक होने की अधिक संभावना होती है और थूक नकारात्मक होने में अधिक समय लगता है।
- टीबी से पीड़ित सभी लोगों की मधुमेह की जांच की जानी चाहिए। साथ ही मधुमेह से पीड़ित सभी लोगों की टीबी की जांच की जानी चाहिए। स्क्रीनिंग के लिए यह द्वि-दिशात्मक दृष्टिकोण होना चाहिए।
- जल्दी पहचान और उपचार की कमी के कारण, टीबी-मधुमेह सह-रोग से होने वाली जटिलताएं उपचार पर अधिक खर्च और बाहरी खर्च के कारण बढ़ जाती हैं। समय पर पहचान से दोनों बीमारियों की देखभाल और नियंत्रण में सुधार किया जा सकता है।

Halt the Rise: Beat Tuberculosis =Beat Diabetes

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया कॉल करें।

Tuberculosis Association of India,3, Red Cross Road, New Delhi- 110001

टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र (तकनीकी विंग) द्वारा बनाया गया

Phone No. 23715217, 23711303, E-mail tbassnindia@yahoo.co.in

- टीबी हवा के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है।
- टीबी का निदान और उपचार सभी लोगों के लिए निःशुल्क है।

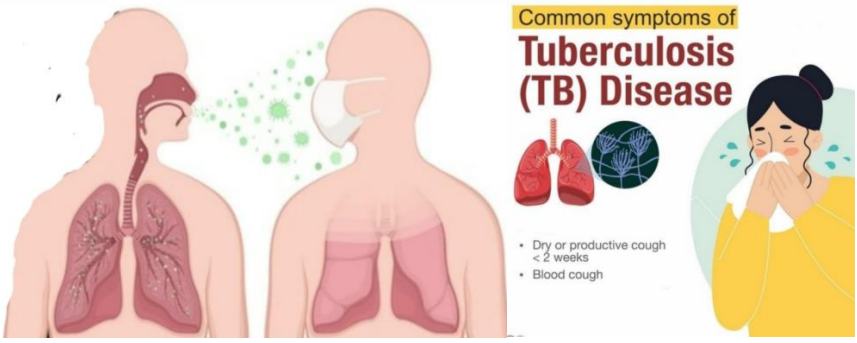

- टीबी के लक्षण:
    - दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी रहना
    - बुखार
    - रात को पसीना
    - वजन घटना
    - भूख में कमी
- टीबी के कीटाणुओं को मारने और टीबी को रोकने के लिए अपनी सभी टीबी दवाएं लें।
- टीबी का इलाज 6 महीने का होता है।
- मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) टीबी को रोकने के लिए नियमित और पूर्ण उपचार महत्वपूर्ण है।
- एमडीआर टीबी का इलाज होने में 2 साल तक का लंबा समय लगता है।
- टीबी से लड़ने के लिए अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करें:
    - धूम्रपान और शराब से बचें
    - दैनिक दिनचर्या में व्यायाम और ध्यान को शामिल करें
    - जंक फूड को ना कहें
    - घर पर बने संतुलित भोजन को हाँ कहें
- सभी संपर्क / पुल्मोनरी क्षय रोग रोगियों के साथ रहने वाले लोगों को छह महीने तक नियमित रूप से एक सरल दवा लेनी चाहिए ताकि वे खुद को क्षय रोग से सुरक्षित रख सकें।

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया कॉल करें।

Tuberculosis Association of India,3, Red Cross Road, New Delhi- 110001
Phone No. 23715217, 23711303, E-mail tbassnindia@yahoo.co.in

टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र (तकनीकी विंग) द्वारा बनाया गया